रविवासरीय
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
रविवार
4 फरवरी 2024, बरेली

महिलाओं में बढ़े सर्वाइकल, गाल ब्लैडर के कैंसर

विश्व कैंसर दिवस

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। कैंसर अब मौत का दूसरा नाम नहीं रहा लेकिन इसका खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। सही समय पर जांच और इलाज हो तो मरीज स्वस्थ जीवन जी सकता है। कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। कैंसर के खतरे की बात करें तो रुहेलखंड बेल्ट की महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के साथ ही गाल ब्लैडर का कैंसर तेजी से बढ़ रहा है।

ग्लेन कैंसर हॉस्पिटल की वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. रितु भूटानी का कहना है कि करीब 55 फीसदी महिलाओं में गॉल ब्लैडर का कैंसर देखने को मिल रहा है। इसकी वजह है इस इलाके में टाइफाइड बुखार का आज प्रकोप होना। इस बीमारी को कैंसर की एक बड़ी वजह बताते हुए डॉ. रितु बताती हैं कि कम पानी पीना, टाइफाइड बुखार कैंसर की वजह हो सकते है। उन्होंने कहा कि गॉल ब्लैडर कैंसर से जूझ रही महिलाओं के लिए बीते कुछ सालों में उन्होंने मेडिसिन प्रोटोकॉल भी बदला है। अब आंत के कैंसर में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का गाल ब्लैडर कैंसर से पीड़ित महिलाओं के इलाज में उपयोग करने पर उसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं।

एसआरएमएस में भगवान देवी को किया गया सम्मानित

एसआरएमएस में कैंसर विजेताओं का सम्मान

बरेली। विश्व कैंसर दिवस की पूर्व संध्या पर श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइसेज ने कैंसर से जंग लड़कर मात देने वाले कैंसर विजेताओं को सम्मानित किया। पीजी के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये कैंसर मरीज फूलवती की कहानी का मंचन किया । एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। अलखनंदा रिसार्ट में आयोजित सम्मान समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देवमूर्ति ने सभी कैंसर मरीजों की हिम्मत को सराहा। उन्होंने कहा कि 2007 में स्थापित इस कैंसर इंस्टीट्यूट को 17 वर्ष हो चुके हैं। आयुष्मान कार्ड धारकों को भी यहां पर कैंसर का निशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया जाता है।

कैंसर भी हारता है, बस जीने का जज्बा मजबूत हो

बरेली। जीने का मजबूत जज्बा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी को भी मात दे सकता है। कई लोगों ने कैंसर से पीड़ित रहने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी। सही समय पर इस बीमारी का इलाज कराया और आज सामान्य जीवन जी रहे हैं। कचहरी में काम करने वाले बुजुर्ग महेश चंद्र को शुरुआती चरण में कैंसर का पता चला। 10 साल पहले उन्होंने मेडिकल कॉलेज में इसका इलाज कराया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। महेश कहते है कि यह एक बीमारी है लेकिन जीवन यहीं समाप्त नहीं होता है। भगवान देवी को बच्चेदानी में गांठ थी। जांच में पता चला कि उनमें कैंसर के लक्षण है। उन्होंने 2014 में इसका इलाज कराया और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। घरवालों के साथ सामान्य लोगों की तरह जीवन जी रही है।

55 प्रतिशत महिलाओं में गाल ब्लैडर होने के बारे कैंस विशेषज्ञ डॉक्टर रितु भूटानी ने दी जानकारी

इन कैंसर विजेताओं का हुआ अभिनंदन

- महेश चंद्र, बरेली
- विजय पाल, मुरादाबाद
- महा सिंह, हल्द्वानी
- बृजपाल सिंह, शाहजहांपुर
- जेपी तिवारी, सुल्तानपुर
- राजेश, बरेली
- भगवान देवी, बरेली
- रविंदर कौर, मुरादाबाद
- झल्लू राम, लालकुआं
- खुशनुमा, बरेली
- बिमला देवी, नैनीताल
- आयशा खान, रामपुर
- हेमवती, बरेली
- महमूदा बेगम, पीलीभीत
- रफीक अहमद, बरेली

डॉ.पियूष ने कैंसर के बारे में दी जानकारी

आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ.पियूष अग्रवाल ने कैंसर की जानकारी दी। रोबोटिक सर्जरी भी यहां पर आरंभ हो चुकी है। गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मनोज तांगड़ी ने महिलाओं को कैंसर से बचाव की जानकारी दी।संचालन डॉ. संयमिता जैन ने किया।